परिशिष्ट

वैकल्पिक विषय के रूप में किसी भारतीय भाषा / विदेशी भाषा के साहित्य के साथ सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2019 और 2020 में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या दर्शाने वाला विवरण					
वर्ष में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या					
क्र. सं.	भाषा (वैकल्पिक विषय)	2019		2020	
		पेपर-I	पेपर-II	पेपर-I	पेपर-II
[क] वैकल्पिक विषय के रूप में किसी भारतीय भाषा का साहित्य					
1.	असमिया	3	3	2	2
2.	बंगाली	1	1	2	2
3.	गुजराती	82	82	48	48
4.	हिन्दी	187	187	223	222
5.	कन्नड़	123	123	82	82
6.	कश्मीरी	0	0	0	0
7.	कोंकणी	0	0	0	0
8.	मलयालम	105	105	93	93
9.	मणिपुरी	7	7	4	4
10.	मराठी	6	6	9	9
11.	नेपाली	0	0	0	0
12.	उड़िया	3	3	2	2
13.	पंजाबी	18	18	25	25
14.	संस्कृत	53	53	39	39
15.	सिंधी (देव)	2	2	0	0
16.	सिंधी(अरबी)	0	0	1	1
17.	तमिल	77	76	63	62
18.	तेलुगु	31	31	35	35
19.	उर्दु	18	18	11	11
20.	डोगरी	0	0	0	0
21.	मैथिली	51	51	31	31
22.	संथाली	0	0	0	0
23.	बोडो	0	0	0	0
	योग [क]	**767**	**766**	**670**	**668**

वर्ष में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या				
भाषा (वैकल्पिक विषय)	2019		2020	
	पेपर-I	पेपर-II	पेपर-I	पेपर-II
[ख] वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी साहित्य				
उम्मीदवारों की कुल संख्या [ख] वैकल्पिक विषयों में से एक के रूप में अंग्रेजी साहित्य के साथ।	30	30	25	25
वैकल्पिक विषय के रूप में किसी भाषा के साहित्य को चुनने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या [क+ख]।	**797**	**796**	**695**	**693**
पेपर I (निबंध) के आधार पर उपस्थित हुए उम्मीदवारों की संख्या की तुलना मेंएक वैकल्पिक विषय के रूप में भारतीय भाषा वाले उम्मीदवारों का प्रतिशत [क] **[2019 में 11467 एवं 2020 में 10336]**	**6.6887**	**6.6800**	**6.4822**	**6.4628**